

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2018

04951

ELECTIVE COURSE : HISTORY

**EHI-04 : INDIA FROM 16th CENTURY TO
MID 18th CENTURY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Weightage : 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Discuss the nature of Portuguese trade with India. How was the Portuguese trade in India financed ?

20

2. Critically analyse the Mughal-Maratha relations in the 17th century. 20
3. Who were *Zamindars* ? Discuss their rights and perquisites. 20
4. Critically examine the Mughal emperor's attitude towards religion and religious classes. 20

SECTION II

5. Discuss Akbar's policy towards autonomous chieftains. 12
6. Write a note on Mughal relations with Persia during Akbar's reign. 12
7. Give a brief account of the Turco-Mongol theory of sovereignty. 12
8. Discuss the provincial and local administration under the Mughals. 12
9. Discuss in brief the characteristics of the Mughal *Jagir* system. 12
10. Discuss various categories of land rights prevailing during the medieval period in the Deccan and South India. 12
11. What roles were performed by the brokers and *sarrafs* in Mughal India ? 12
12. Write a brief note on the growth of south Indian languages during the medieval period. 12

SECTION III

13. Write short notes on any *two* of the following in about 100 words each : 6+6=12

- (a) Kingdom of Bijapur
 - (b) Food crops and Cash crops in the medieval period
 - (c) Mewar and the Mughals
 - (d) French East India Company
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-04 : भारत 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी
के मध्य तक

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

(कुल का : 70%)

नोट : इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। विद्यार्थियों को खण्ड I में से कोई दो प्रश्न लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में, खण्ड II में से कोई चार प्रश्न लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में तथा खण्ड III में से कोई दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

खण्ड I

1. पुर्तगाल के भारत के साथ व्यापार की प्रकृति की चर्चा कीजिए। भारत में इस पुर्तगाली व्यापार के लिए पूंजी किस प्रकार उपलब्ध होती थी ?

20

2. सत्रहवीं शताब्दी में मुग़ल-मराठा संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । 20
3. ज़मींदार कौन थे ? उनके अधिकार और अनुलाभ क्या थे ? चर्चा कीजिए । 20
4. मुग़ल सम्राटों का धर्म और धार्मिक वर्गों के प्रति क्या रवैया था ? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । 20

खण्ड II

5. स्वायत्त सरदारों (autonomous chieftains) के प्रति अकबर की नीति की चर्चा कीजिए । 12
6. अकबर के शासनकाल में मुग़ल और ईरानी संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिए । 12
7. तुर्क-मंगोल प्रभुत्व के सिद्धान्त (Theory of sovereignty) का संक्षिप्त विवरण दीजिए । 12
8. मुग़लों के अधीन प्रांतीय तथा स्थानीय प्रशासन की चर्चा कीजिए । 12
9. मुग़ल जागीर व्यवस्था की विशेषताओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए । 12
10. दक्कन और दक्षिण भारत में मध्य काल में भूमि अधिकारों की विभिन्न श्रेणियों की चर्चा कीजिए । 12
11. मुग़ल भारत में दलाल तथा सराफ़ क्या भूमिका निभाते थे ? चर्चा कीजिए । 12
12. मध्य काल में दक्षिण भारतीय भाषाओं के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 12

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100 शब्दों
(प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6+6=12

(क) बीजापुर राज्य

(ख) मध्य काल में खाद्य फ़सलें (Food crops) तथा नकदी
फ़सलें (Cash crops)

(ग) मेवाड़ और मुग़ल

(घ) फ़्रांसीसी ईस्ट इंडिया कम्पनी